<u>हिन्दी प्रादेशिक समाचार</u>

<u>आकाशवाणी चंडीगढ</u>

तिथि 05 फ़रवरी 2026 समय 1305

संघ लोक सेवा आयोग ने सिविल सेवा परीक्षा-2026 की कल जारी अधिसूचना में पहले से सिविल सेवाओं में कार्यरत उम्मीदवारों की पात्रता और प्रयासों से जुडे नियमों को अधिक स्पष्ट और विस्तृत रूप में निर्धारित किया है। संशोधित नियम, विशेष रूप से भारतीय प्रशासनिक सेवा, भारतीय पुलिस सेवा, भारतीय विदेश सेवा और ग्रुप - ए की अन्य सेवाओं पर केन्द्रित है। ये नियम स्पष्ट करते हैं कि किन चरणों पर ऐसे उम्मीदवारों को पुन: परीक्षा में शामिल होने की अनुमति होगी या नहीं। सिविल सेवा परीक्षा-2026 के लिए ऑनलाइन आवेदन - upsc.gov.in पर शुरू हो चुके हैं जिसकी अंतिम तिथि 24 फरवरी है।

अधिसूचना के अनुसार जो उम्मीदवार पूर्व में किसी परीक्षा के माध्यम से भारतीय प्रशासनिक सेवा या भारतीय विदेश सेवा में नियुक्त हो चुके हैं और अब भी वे इन सेवाओं में कार्यरत हैं, वे सिविल सेवा परीक्षा-2026 के लिए पात्र नहीं होंगे। इसके अलावा अगर कोई उम्मीदवार सिविल सेवा की प्रारम्भिक परीक्षा-2026 में उत्तीर्ण होने के बाद लेकिन मुख्य परीक्षा शुरू होने से पहले भारतीय प्रशासनिक सेवा या भारतीय विदेश सेवा में नियुक्ति प्राप्त करता है तो उसे मुख्य परीक्षा में शामिल होने की अनुमति नहीं दी जाएगी। अगर नियुक्ति मुख्य परीक्षा शुरू होने के बाद लेकिन अंतिम परिणाम की घोषणा से पहले होती है तो उम्मीदवार पर सिविल सेवा परीक्षा-2026 के माध्यम से किसी सेवा के लिए विचार नहीं किया जाएगा।

इस तरह के प्रतिबंध पहले भी मौजूद थे लेकिन 2026 में भारतीय पुलिस सेवा के संबंध में शर्तों को और अधिक स्पष्ट किया गया है।

****

****

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के आदेश पर कुरुक्षेत्र जिले के सरकारी वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, कनीपला के टीजीटी हिंदी शिक्षक को निलंबित कर दिया

गया है। एक स्कूली छात्रा के साथ कथित रूप से दुर्व्यवहार करने के लिए शिक्षक के खिलाफ पॉक्सो अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया था, और उसे इस मामले में गिरफ्तार कर लिया गया था। लेकिन उसे निलंबित नहीं किया गया था।

लाडवा में जन संवाद कार्यक्रम के दौरान पीड़ित के परिवार द्वारा उठाई गई शिकायत के बाद, मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने शिक्षक को निलंबित करने का निर्देश दिया।

इन आदेशों पर तुरंत कार्रवाई करते हुए, हरियाणा प्राथमिक शिक्षा विभाग के महानिदेशक ने शिक्षक समीर कौशिक को कल निलंबित कर दिया।

****
****

हरियाणा के पूर्व वित्त मंत्री जेपी दलाल ने केंद्रीय बजट को लेकर कहा कि यह बजट देश के विकास को नई रूपरेखा देने वाला बजट है। इस बजट में भविष्य की नैनो चिपस टैक्रोलॉजी आधारित वस्तुओं के निर्माण को बल मिलेगा। साथ ही वित्तीय रूप से मजबूत करने वाले स्पेशल हाई स्पीड रेलवे कोरिडोर बनाए जाने से देश में औद्योगिक उन्नति होगी। वे भिवानी में बजट पर एक पत्रकार वार्ता को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर पूर्व वित्त मंत्री ने कहा कि हालही में भारत ने 27 समृद्ध देशों की यूरोपियन देशों से ट्रेड डील की है। जिससे यूरोपियन देशों से भारत के सीधे व्यापारिक संबंद्ध होंगे तथा देश की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत पर लगाए गए ट्रैरिक को 18 प्रतिशत किए जाने का भी उन्होंने स्वागत किया। पूर्व कृषि मंत्री ने कहा कि इस बजट में हरियाणा प्रदेश के कृषि क्षेत्र के लिए विशेष व्यवस्था की गई है। हरियाणा का 10 प्रतिशत के लगभग क्षेत्र सेम की समस्या से ग्रस्त है। इस बजट में सेम की समस्या से निपटने के लिए विशेष प्रावधान किए गए है। जिससे हरियाणा को सीधा फायदा होगा।

****
****

तारीख पर तारीख के अंतहीन चक्र और बढ़ते कानूनी खर्च से जूझ रहे आम नागरिकों के लिए राष्ट्रव्यापी मीडिएशन फॉर द नेशन अभियान चलाया जा रहा है। उच्चतम न्यायालय के निर्देशानुसार दो जनवरी से शुरू हुए इस राष्ट्रव्यापी अभियान के द्वितीय संस्करण को भिवानी जिले में सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली है। भिवानी में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव एवं मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट पवन कुमार ने बताया कि यह 90 दिवसीय विशेष अभियान आगामी एक अप्रैल तक चलेगा, जिसके तहत भिवानी, तोशाम, सिवानी और लोहारू की अदालतों में लंबित सभी प्रकार के दीवानी और समझौता योग्य आपराधिक मामलों को मध्यस्थता के जरिए सुलझाने का अवसर दिया जा रहा है।

****
****

रोहतक के महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय ने, विश्वविद्यालय परिसर में बायोगैस संयंत्र की स्थापना एवं संचालन के लिए साहस और नवारम्भव सोशल फाउंडेशन के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। कुलपति प्रो. राजबीर सिंह ने कहा कि यह साझेदारी विश्वविद्यालय परिसर में उत्पन्न जैविक कचरे के वैज्ञानिक प्रबंधन के साथ-साथ स्वच्छ और नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन का प्रभावी मॉडल प्रस्तुत करेगी। उन्होंने कहा कि इस परियोजना से कार्बन उत्सर्जन में कमी आएगी और विश्वविद्यालय को हरित परिसर के रूप में विकसित करने में मदद मिलेगी।

****
****